प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 1 (2019–20)

हिन्दी – ब (कोड–85)

कक्षा– 10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

यदि मनुष्य और पशु के बीच कोई अंतर है तो केवल इतना कि मनुष्य के भीतर विवेक है और पशु विवेकहीन है। इसी विवेक के कारण मनुष्य को यह बोध रहता है कि क्या अच्छा है और क्या बुरा। इसी विवेक के कारण मनुष्य यह समझ पाता है कि केवल खाने–पीने और सोने में ही जीवन का अर्थ और इति नहीं। केवल अपना पेट भरने से ही जगत के सभी कार्य सम्पन्न नहीं हो जाते और यदि मनुष्य को जन्म मिला है तो केवल इसी चीज का हिसाब रखने के लिए नहीं कि इस जगत ने उसे क्या दिया है और न ही यह सोचने के लिए कि यदि इस जग ने उसे कुछ नहीं दिया तो वह इस संसार के भले के लिए क्या क्यों करे। मानवता का बोध कराने वाले इस गुण **विवेक** की जननी का नाम शिक्षा है। शिक्षा जिसके अनेक रूप समय के परिवर्तन के साथ इस जगत में बदलते रहते हैं, वह जहाँ कहीं भी विद्यमान रही है सदैव अपना कार्य करती रही है। यह शिक्षा ही है जिसकी धुरी पर यह संसार चलायमान है। विवेक से लेकर विज्ञान और ज्ञान की जन्मदात्री शिक्षा ही तो है। शिक्षा हमारे भीतर विद्यमान वह तत्व है जिसके बल पर हम बात करते हैं, कार्य करते हैं, अपने मित्रों और शत्रुओं की सूची तैयार करते हैं, उलझनों को सुलझनों में बदलते हैं। असल में सीखने और सिखाने की प्रक्रिया को ही शिक्षा कहते हैं। शिक्षा उन तथ्यों का तथा उन तरीकों का ज्ञान कराती है जिन्हें हमारे पूर्वजों ने खोजा था– सभ्य तथा सुखी जीवन बिताने के लिए और आज यदि हम सुखी जीवन बिताना चाहते हैं तो हमें उन तरीकों को सीखना होगा, उन तथ्यों को जानना होगा जिन्हें जानने के लिए हमारे पूर्वजों ने निरंतर सदियों तक शोध किया है जो केवल शिक्षा के द्वारा ही संभव है।

1. मनुष्य और पशु के बीच क्या अंतर है? विवेकशील होने से मनुष्य को क्या लाभ है? 2

उत्तर : मनुष्य और पशु के बीच मुख्य अंतर यह है कि मनुष्य के भीतर विवेक है, पशु विवेकहीन है। विवेकशील होने के कारण मनुष्य को यह बोध होता है कि क्या अच्छा है और क्या बुरा। इसी कारण मनुष्य समझ पाता है कि केवल खाने–पीने और सोने में ही जीवन का आरंभ और अंत नहीं है।

2. मनुष्य का जन्म किसका हिसाब रखने तथा क्या सोचने के लिए नहीं हुआ है? 2

उत्तर : मनुष्य का जन्म केवल इस चीज का हिसाब रखने के लिए नहीं हुआ है कि इस संसार ने उसे क्या दिया है और न ही यह सोचने के लिए कि जब इस संसार ने उसे कुछ नहीं दिया तो वह संसार के कल्याण के लिए कार्य क्यों करे।

3. संसार किसकी धुरी पर चलायमान है और कैसे? 2

उत्तर : संसार शिक्षा की धुरी पर चलायमान है। शिक्षा विवेक की जननी है। विवेक से लेकर ज्ञान विज्ञान की जन्मदात्री शिक्षा ही है। हमारे भीतर शिक्षा के मौजूद होने से ही हम बात करते हैं, कार्य करते हैं, मित्र व शत्रु में अंतर कर पात हैं उलझनों को सुलझाते हैं। इस प्रकार संसार के कार्य–व्यापार में शिक्षा की महती भूमिका है।

4. शिक्षा हमें किन तथ्यों तथा तरीकों का ज्ञान कराती है? ये सुखी जीवन बिताने में किस प्रकार सहायक है? 2

उत्तर : शिक्षा हमें उन तथ्यों तथा उन तरीकों का ज्ञान कराती है जिन्हें हमारे पूर्वजों ने सभ्य तथा सुखी जीवन बिताने के लिए खोजा था। सुखी जीवन बिताने के लिए हमें उन तरीकों को सीखना होगा, उन तथ्यों को जानना होगा जिन्हें जानने के लिए हमारे पूर्वजों ने निरंतर सदियों तक शोध किया था।

5. मानवता का बोध कराने वाले गुण **विवेक की जननी** का नाम क्या है? 1

उत्तर : शिक्षा

6. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

उत्तर : शिक्षा : विवेक की जननी।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. शब्द और पद के अंतर को उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए। 1

उत्तर : शब्द स्वतंत्र होता है लेकिन जब वह वाक्य में प्रयुक्त होता है तब पद कहलाता है।

जैसे– कमल एक प्रकार का फूल है। इस वाक्य में कमल एक शब्द है। यहाँ कमल व्याकरण के नियमों के अनुसार प्रयुक्त हुआ है। इसलिए यह एक पद है।

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए। $1 \times 3 = 3$

1. मैं दिल्ली जाकर पढ़ाई करूँगा। (संयुक्त वाक्य में)

उत्तर : मैं दिल्ली जाऊँगा और पढ़ाई करूँगा।

2. उसने चोरी की बात नहीं कबूली। (मिश्र वाक्य में)

उत्तर : उसने यह नहीं कहा कि उसने चोरी की है।

3. ज्यों ही वह पहुँचा वर्षा होने लगी। (सरल वाक्य में)

उत्तर : उसके पहुँचते ही वर्षा होने लगी।

4.

1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– $1 \times 2 = 2$

राजपुत्र, शरणागत

उत्तर : राजपुत्र– राजा का पुत्र (संबंध तत्पुरूष)

शरणागत– शरण में आया हुआ (अधिकरण तत्पुरूष)

2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। $1 \times 2 = 2$

महान है जो आत्मा, माता और पिता

उत्तर : महान है जो आत्मा=महात्मा (कर्मधारय समास)

माता और पिता=माता–पिता (द्वन्द्व समास)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. महेश ने शहर के चारों ओर परिक्रमा की।

उत्तर : महेश ने शहर की परिक्रमा की।

2. जब पास होगे, तभी पढ़ोगे।

उत्तर : जब पढ़ोगे, तभी पास होगे।

3. सिल बट्टे पर चटनी पीसी जाती है।

उत्तर : सिल बट्टे से चटनी पीसी जाती है।

4. सरिता धीमी स्वर में बोली।

उत्तर : सरिता धीमे स्वर में बोली।

6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थान को पूरा कीजिए।

$1 \times 4 = 4$

1. भारत के वीर सिपाहियों का सामना करना लोहे ..... है।

उत्तर : के चने चबाने जैसा। (लोहे के चने चबाना)

2. सोहन के कक्षा में प्रथम आने पर उसके पिता फूले .....।

उत्तर : न समाए (फूले न समाना)

3. हमें कठिनाइयों के आगे ..... चाहिए।

उत्तर : घुटने नहीं टेकने (घुटने नहीं टेकना)

4. भारत व पाक आपसी समझबूझ से ..... हैं।

उत्तर : आग पर पानी डाल रहे (आग पर पानी डालना)

खण्ड–ग 28

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. वृजलाल गोयनका किस प्रकार पकड़े गए? डायरी का एक पन्ना पाठ के आधार पर बताइए।

उत्तर : जुलूस के लाल बाजार आने पर वृजलाल को एक अंग्रेज घुड़सवार ने लाठी मारी, फिर पकड़कर दूर ले गए और उन्हें छोड़ दिया। वे स्त्रियों के जुलूस में शामिल हो गए। फिर वे दो सौ आदमियों का जुलूस बनवाकर लाल बाजार गए। वहाँ उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

2. सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की क्या भूमिका थी?

उत्तर : सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की महत्वपूर्ण भूमिका थी। गुजराती सेविका संघ के जुलूस में शामिल बहुत–सी लड़कियों को गिरफ्तार कर लिया गया। शहर में स्त्रियाँ जगह–जगह से अपना जुलूस निकालने और मोनुमेंट के नीचे आयोजित होने वाली सभा में पहुँचने की कोशिश कर रही थी। जब सुभाष बाबू का जुलूस मोनुमेंट के निकट पहुँचा, उस समय वहाँ स्त्रियाँ भारी संख्या में पहुँच गईं थीं। वे मोनुमेंट की सीढ़ियाँ चढ़कर झंडा फहरा रहीं थीं और घोषण पढ़ रहीं थीं।

3. घुड़सवार ने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किए?

उत्तर : वह घुड़सवार स्वयं वजीर अली था। उसे पता था कि कर्नल कालिंज उसे पकड़ने के लिए अपनी फौज के साथ जंगल में डेरा डाले हुए थे। वजीर अली ने निडर होकर पूरे आत्मविश्वास से एकांत कमरे में कर्नल से बात की और कहा कि वजीर अली को पकड़ने के लिए उसे कारतूस चाहिए। कर्नल से कारतूस लेकर वह वहाँ से चला गया।

4. छोटे भाई ने बड़े भाई साहब के नरम व्यवहार का क्या फायदा उठाया?

उत्तर :

बड़े भाई के नरम व्यवहार के कारण लेखक की स्वच्छंदता और अधिक बढ़ गई। वह उनकी सहिष्णुता का अनुचित लाभ उठाने लगा। उनके प्रति उसके दिल में आदर भाव भी कम हो गया था। वह बड़े भाई साहब की नजरें बचाकर कनकौए उड़ाता था। अब सारा समय पतंगबाजी की भेंट चढ़ने लगा। उनका समय अब मांझा बाँधना, कन्ने बाँधना, पतंगबाजी की प्रतियोगिता की तैयारी में ही जाने लगा। लेखक को लगने लगा था कि वह पढ़े या न पढ़े पर वह पास हो ही जाएगा। इस प्रकार लेखक के मन से बड़े भाई का डर धीरे–धीरे कम होने लगा।

8. वजीर अली एक जाँबाज सिपाही था? उदाहरण सहित इस कथन की पुष्टि 80–100 शब्दों में कीजिए। 5

उत्तर : निःसंदेह वजीर अली एक जाँबाज सिपाही था। वह अंग्रेजों को खूब छका रहा था। वकील की हत्या कर फरार था। वह अपनी जान की बाजी लगाकर अंग्रेजों के कैंप जो कि आजमगढ़ के जंगलों में थे, में कर्नल से मिलने चला आया। इतने फौजियों के होते हुए भी कर्नल के टेंट में आया। एकांत में कर्नल से मिला। कर्नल से दस कारतूस भी लिए और जाते समय यह भी बताया कि मैं वजीर अली हूँ। उसकी निडरता और साहस को देखकर स्वयं कर्नल चकित हो गया और लेफ्टिनेंट के पूछने पर कि वह कौन था वह सवार, कर्नल ने कहा– एक जाँबाज सिपाही।

अथवा

बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ कैसे आती है? 80–100 शब्दों में समझाइये।

उत्तर : बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ अनुभव से आती है। जीवन में अनुभव पुस्तकीय ज्ञान से भी अधिक महत्वपूर्ण है। पुस्तकें पढ़ने से हर कक्षा में पास हुआ जा सकता है परन्तु उस ज्ञान को अनुभव में उतारे बिना वह ज्ञान अधूरा है। बड़े –बुजुर्गों को जीवन की समझ हमसे ज्यादा है। उन्होंने यह सब अनुभव से प्राप्त किया है। हम विषम परिस्थिति में घबरा जाते हैं, पर हमारे बड़े बुजुर्ग उन परिस्थितियों में भी समस्या का हल निकालना जानते थे। वे पढ़े–लिखे नहीं थे, परन्तु अनुभव से भरपूर थे। अनुभव पढ़ाई–लिखाई से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. कवि को परमात्मा से क्या–क्या अपेक्षाएँ नहीं है? आत्मत्राण कविता के आधार पर बताइए।

   उत्तर : कवि को परमात्मा से यह अपेक्षा नहीं है कि ईश्वर उसके दुख का भार हल्का करे। वह स्वयं ही अपने दुखों का निदान ढूँढना चाहता है। वह अपने पौरूष बल को डगमगाने नहीं देना चाहता। वह नहीं चाहता कि ईश्वर हर मार्ग में हर विपत्ति को सरल बना दें। विपत्ति में उसमें इतनी शक्ति भर दें कि सभी विपत्तियों का सामना कर सके। यदि जीवन संग्राम में धोखा उठाना पड़े तब भी वह हार न मानें।

2. कर चले हम फिदा, कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं?

   उत्तर : इस गीत को सुनकर हमें देशहित के लिए बलिदान और संघर्ष करने की प्रेरणा मिलती है। जब देश पर कोई विदेशी आक्रमणकारी चढ़ आया हो, तब हमें जी–जान लगाकर देश की रक्षा करनी चाहिए। युद्ध में चाहे कितने भी संकट आएँ, चाहे बर्फीली आँधियों का सामना करना पड़े, चाहे साँस रूक जाए, मौत सामने आ जाए तो भी हमें संघर्ष करने और बलिदान देने से पीछे नहीं हटना चाहिए।

3. मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती है?

   उत्तर : मीराबाई का हृदय कृष्ण का सान्निध्य पाने के लिए अत्यधिक अधीर है। इसलिए वह कृष्ण की चाकरी करना चाहती है।

4. मीठी वाणी बोलने से औरों को सुख और अपने तन को शीतलता कैसे प्राप्त होती है?

   उत्तर :

   मीठी वाणी जीवन में आत्मिक सुख व शांति प्रदान करती है। इसके प्रयोग से संपूर्ण वातावरण सरस व सहज बन जाता है। यह सुनने वाले के मन को प्रभावित व आनंदित करती है। इसके प्रभाव से मन में स्थित शत्रुता, कटुता व आपसी ईर्ष्या–द्वेष के भाव समाप्त हो जाते हैं। मीठी वाणी बोलने से सुनने वालों को शांति प्राप्त होती है। इसलिए हमें ऐसी वाणी बोलनी चाहिए कि जिसे सुनकर लोग आनंद की अनुभूति करें।

   हम मीठी वाणी बोलकर अपने शरीर को भी शीतलता पहुँचाते हैं। कठोर वाणी हमें क्रोधित व उत्तेजित करती है। मीठी वाणी अहंकारशून्य होने के कारण तन को शीतलता प्रदान करती है तथा आनंद की सुखद अनुभूति कराती है। इस प्रकार मीठी वाणी बोलने से न केवल दूसरों को हम सुख प्रदान करते हैं अपितु स्वयं भी शीतलता का अनुभव करते हैं।

10. आपके विचार से क्या मीरा की कृष्ण–भक्ति आज के युग में प्रासंगिक है? 80–100 शब्दों में तर्क सम्मत टिप्पणी कीजिए। 5

उत्तर : मीरा श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त थीं। उनके आराध्य श्रीकृष्ण साक्षात् ब्रह्म के स्वरूप थे जिनकी वे सगुण भक्ति करती थीं। यह उनकी भक्ति भावना का ही प्रभाव था कि जनता में उन्हें अपार प्रसिद्धि मिली। उनके गाए पद जन सामान्य में लोकप्रिय हुए। आज भी यदि कोई सच्चे भक्ति–मार्ग का अनुसारण करता है तो जनता उन्हें सिर आँखों पर बिठा लेती है। सच तो यह है कि ईश्वर–भक्ति देश, काल की सीमाओं से परे होती है। प्रभु के सच्चे भक्तों का जन्म हर युग में होता है। प्रत्येक युग में सगुण, भक्ति अपनी पराकाष्ठा में पहुँची दिखाई देती है। इस प्रकार मीरा की श्रीकृष्ण–भक्ति आज के युग में उतनी ही प्रासंगिक है।

अथवा

मनुष्यता कविता में किन परोपकारी पुरूषों का उल्लेख किया गया है? उनके जीवन से हम क्या प्रेरणा ग्रहण कर सकते हैं? 80–100 शब्दों में लिखिये।

उत्तर : **मनुष्यता** कविता में राज रंतिदेव, महर्षि दधीचि, गांधार देश के राजा उशीनर, दानवीर कर्ण आदि परोपकारी पुरूषों का उल्लेख किया गया है। रंतिदेव स्वयं भूख से व्याकुल थे, फिर भी उन्होंने एक अन्य भूखे व्यक्ति को उसकी क्षुधा शांत करने के लिए भोजन का थाल दान में दे दिया था। महर्षि दधीचि ने देवराज इन्द्र के अनुरोध पर परोपकार की भावना से प्रेरित

होकर अपनी हड्डियों का दान कर दिया था। इसी प्रकार राजा उशीनर ने कबूतर के प्राणों की रक्षा के लिए अपने शरीर का मांस काटकर दे दिया था। दानवीर कर्ण ने अपने शरीर का चर्म प्रसन्नतापूर्वक दान दे दिया था। इन सभी उदार एवं परोपकारी पुरूषों के जीवन से हम लोकहित के लिए त्याग करने की भावना ग्रहण कर सकते हैं। इनका जीवन हमें सिखाता है कि किसी बड़े उद्देश्य की पूर्ति के लिए यदि प्राणों को न्योछावर करना पड़े तो भी हमें संकोच नहीं करना चाहिए। समाज-हित के लिए परोपकार करते हुए हमें मानव जन्म को सफल बनाना चाहिए।

11.

1. हरिहर काका मानसिक रूप से कमजोर क्यों पड़ते जा रहे थे? आपकी समझ में उनके तथा परिवार के लोगों के परस्पर व्यवहार का क्या आदर्श स्वरूप होना चाहिए था? (60-70 शब्दों में समझाइये) 3

उत्तर : परिवार के सदस्यों, भाइयों तथा उनकी पत्नियों और गाँव के महंत के दुर्व्यवहार के कारण निस्संतान हरिहर काका मानसिक रूप से कमजोर पड़ते जा रहे थे। हरिहर काका के पास साठ बीघा जमीन थी जिसके लालच में एक तरफ तो उनके चार भाई तो दूसरी तरफ गाँव की ठाकुरवाड़ी का महंत कभी तो उनसे सहानुभूति दिखाते तो कभी अमानवीय हरकतों पर उतर आते थे। उनके तथा परिवार के लोगों के परस्पर व्यवहार का आदर्श स्वरूप तो यह होता कि सभी आपस में मिलजुलकर रहते। भाई, उनकी पत्नियाँ व बच्चे पूरे मन तथा निस्वार्थ भाव से अपने परिवार के एक बुजुर्ग की तरह उनका सम्मान करते। उनके हर सुख-दुख का ध्यान रखा जाता।

2. नई श्रेणी में जाने और नई कापियों और पुरानी किताबों से आती विशेष गंध से लेखक का बालमन क्यों उदास हो उठता था? (60-70 शब्दों में समझाइये) 3

उत्तर : नई श्रेणी में जाने का लड़कों को बहुत चाव होता है क्योंकि नई श्रेणी में नई किताबें तथा नए अध्यापक होते हैं। लेखक का मन उदास हो जाता था। बाल-मनोविज्ञान के अनुसार यदि इसका कारण खोजा जाए तो यही बात सामने आती है कि लेखक गरीब परिवार से थे। वे नई किताबें नहीं खरीद पाते थे इसलिए पुरानी कापियों और पुरानी किताबों से आती खास गंध से उनका मन उदास हो जाता था। साथ ही साथ आगे की मुश्किल पढ़ाई और नए मास्टरों की मारपीट का भय भी रहता था।

खण्ड-घ 26

(लेखन)

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

1. **वन और हमारा पर्यावरण।**
2. **महानगरों में महिलाओं की सुरक्षा।**
3. **करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।**

उत्तर :

1. वन और हमारा पर्यावरण

वर्तमान समय में सबसे बड़ी समस्या है- पर्यावरण प्रदूषण। विकास के चरण में हमने आज स्वयं ही अपने पर्यावरण के सुरक्षा कवचों को काटकर प्रदूषण के भयंकर खतरों को आमंत्रित कर लिया है। हमने पेड़-पौधों को काटकर प्रकृति के संतुलन को विकृत कर दिया है। फलतः आज शुद्ध वायु के लिए हम तरसते जा रहे हैं। हम भूल गए हैं कि पेड़-पौधे हमें शुद्ध वायु और वनस्पति देते हैं। वे हमें फल-फूल प्रदान करते हैं और पशु-पक्षियों का आश्रय। हम भूल गए कि पेड़-पौधों का महत्व निर्विवाद है। जन-जागृति के अभियानों, चिपको आन्दोलन तथा वन नीतियों द्वारा आज हम जागरूक और सचेत होकर अवश्य सोच रहे हैं परन्तु समस्या की भयावहता को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह पेड़ लगाए भी और उसकी देखभाल भी करे। जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण लगाना अति आवश्यक है, नहीं तो बढ़ते प्रदूषण के कारण शुद्ध प्राणवायु उपलब्ध नहीं होगी। सुख और स्वास्थ्य के प्रदाता पेड़-पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन आज हमारी आवश्यकता भी है और कर्तव्य भी।

2. महानगरों में महिलाओं की सुरक्षा

महानगरों में केवल जनसंख्या ही अधिक नहीं होती, समस्याएँ भी अधिक होती हैं। जैसे रहने की समस्या, वाहनों की समस्या, प्रदूषण की समस्या, लूटपाट, छीना-झपटी, अपहरण की समस्या और आज के समय में महिलाओं की सुरक्षा की समस्या। आए दिन महिलाओं से छेड़छाड़, अभद्र व्यवहार, बलात्कार व हत्याओं के मामले सामने आ रहे हैं। क्यों नहीं हमारी पुलिस इस ओर ठोस कदम उठाती? क्यों अपराधियों को सजा नहीं दी जाती? क्यों एक लम्बी कोर्ट कार्यवाही के बाद सबूतों के अभाव का हवाला देकर उन्हें छोड़ दिया जाता है? क्या महिलाओं की सुरक्षा हम सबका उत्तरदायित्व नहीं है? इसके लिए जागरूक होकर पहल करनी होगी, पुलिस विभाग और कानून व्यवस्था को कड़े नियम अपनाने होंगे तथा महिलाओ को आत्मविश्वास व दृढ़ता से जागरूक होकर पहल करनी होगी, निर्भय होकर अपराधियों का सामना करना होगा।

3. करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान

अभ्यास अर्थात् सफलता के लिए प्रयास करना ऐसी उत्तम प्रक्रिया है जिससे व्यक्ति की प्रतिभा में निखार आता है। अभ्यास करने से कोई भी कार्य कुशलता से सम्पन्न होता है और सफलता की प्राप्ति होती है। मूर्ख व्यक्ति भी निरंतर अभ्यास से ज्ञानवान हो जाता है। इस सम्पूर्ण प्रक्रिया में मनुष्य को इच्छाशक्ति से आत्मबल को बनाए रखने की आवश्यकता होती है। जो व्यक्ति असफलता के भय से साहसपूर्वक परिश्रम नहीं करते, वे कभी आगे नहीं बढ़ पाते। निरंतर अभ्यास से प्रतिभा निखारने वाले व्यक्ति ही असाधारण व्यक्तित्व के स्वामी हो जाते हैं। एकलव्य एवं अर्जुन अभ्यास के बल पर धनुर्विद्या में पारंगत हुए। चींटी और मकड़ी जैसे प्राणी भी अभ्यास के बल पर अपने प्रयास में सफल होते हैं। कर्मवीर व्यक्ति भाग्य के भरोसे नहीं बैठते। वे अपनी राह स्वयं चुनते हैं। निरंतर अभ्यास से अपनी कमियों को दूर करते हुए असंभव को संभव करके जीवन में श्रेष्ठता हासिल करते हैं।

13. किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को अपने क्षेत्र में चल रही बिजली की कटौती में सुधार के लिए संबंधित अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट करने के लिए एक पत्र 80-100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

सेवा में,
संपादक,
नवभारत टाइम्स,
बहादुरशाह जफर रोड,
नई दिल्ली-110002

विषय : बिजली की कटौती रोकने के लिए संबंधित विभाग का ध्यान आकृष्ट कराने हेतु।

महोदय,

मैं आपके लोकप्रिय दैनिक समाचार-पत्र के माध्यम से विद्युत विभाग के अधिकारियों का ध्यान अपने क्षेत्र की बिजली कटौती की ओर दिलाना चाहता हूँ।

मैं पहाड़गंज क्षेत्र का निवासी हूँ। दिल्ली का अत्यधिक पुराना क्षेत्र होने के कारण यहाँ मकान बहुत पास-पास तथा सँकरी गलियों में बने हैं, जहाँ सूर्य की रोशनी पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुँच पाती। उस पर पिछले बीस दिनों से क्षेत्र में बिजली की अनियमित कटौती की जा रही है। बोर्ड की परीक्षाएँ नजदीक हैं। अतः हम विद्यार्थियों को अत्यंत संकट का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के बिजली कर्मचारियों ने हमारी समस्या को न समझकर सप्लाई की गड़बड़ी बताकर हमें टाल दिया। इतने दिन से चली आ रही यह समस्या हमारे भविष्य के लिए भयानक बाधा बनती जा रही है।

आशा है आप मेरा पत्र **जनमंच** कॉलम में प्रकाशित कर बिजली अधिकारियों का ध्यान इस समस्या पर आकृष्ट करेंगे तथा बिजली को रोकने में सहयोग कर हमें उपकृत करेंगे।

सधन्यवाद।

राहुल
(पहाड़गंज क्षेत्र का एक विद्यार्थी)
दिनांक : 04 मार्च, 2018

अथवा

बैंकिंग सेवा भर्ती बोर्ड के सचिव को लिपिक के पद के लिए एक पत्र 80-100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

सेवा में,
सचिव,
बैंकिंग सेवा भर्ती बोर्ड,
नई दिल्ली।

विषय : लिपिक के पद के लिए आवेदन।

महोदय,

दिनांक 20 मार्च, 2018 के रोजगार समाचार में प्रकाशित विज्ञापन क्रमांक 17 को पढ़कर विदित हुआ कि आपके अधीन विभिन्न राष्ट्रीय बैंकों में लिपिकों के कुछ स्थान रिक्त हैं जिनके लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। मैं उक्त पद के लिए प्रत्याशी हूँ तथा अपना परिचय, योग्यता आदि प्रस्तुत कर रहा हूँ।

मेरा परिचय, शैक्षणिक विवरण तथा अन्य विवरण निम्नलिखित हैं-

नाम	-	राम किशोर भारद्वाज
पिता का नाम	-	श्री राज किशोर भारद्वाज
जन्मतिथि	-	20 मार्च, 1993
पत्र व्यवहार का पताः	-	सी-10, डी.डी.ए. फ्लैट्स, लाजपतनगर, नई दिल्ली।
दूरभाष	-	21003531

शैक्षणिक विवरण:

उत्तीर्ण परीक्षा का नाम	बोर्ड/यूनिवर्सिटी	उत्तीर्ण वर्ष	प्राप्ताकों का प्रतिशत	विषय
माध्यमिक परीक्षा	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड दिल्ली	2009	70%	हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान
उच्च माध्यमिक परीक्षा	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड दिल्ली	2011	76%	अंग्रेजी, गणित, वाणिज्य, अर्थशास्त्र, बहीखाता एवं लेखा पद्धति

टंकण गति	-	हिंदी- 35 शब्द प्रति मिनट अंग्रेजी- 45 शब्द प्रति मिनट
अनुभव	-	एक वर्ष, विप्रो इंटरेशनल में लिपिक के रूप में कार्यरत।

मुझे विश्वास है कि मेरे उपर्युक्त विवरण के आधार पर आप मुझे साक्षात्कार में उपस्थित होने का अवसर अवश्य प्रदान करेंगे जिससे कि मैं उपर्युक्त पद के लिए अपनी उपयुक्तता सिद्ध कर सकूँ।

धन्यवाद।

भवदीय

.....

(हस्ताक्षर आवेदक)

राम किशोर भारद्वाज

दिनांक : 24 मार्च, 2018

संलग्न प्रपत्रों का विवरण–

अधोलिखित प्रपत्रों की छायाप्रतियाँ संलग्न हैं–

1. सेकण्डरी स्कूल की परीक्षा का प्रमाण पत्र।
2. सीनियर सेकण्डरी स्कूल परीक्षा का प्रमाण पत्र।
3. अनुभव प्रमाण पत्र।
4. टंकण गति प्रमाण पत्र (हिन्दी तथा अंग्रेजी)
5. चरित्र प्रमाण पत्र।

14. आपके विद्यालय में नेत्र चिकित्सा शिविर लगाया जा रहा है। प्रधानाचार्य की ओर से छात्रों को इसकी सूचना 40–50 शब्दों में जारी करें। 5

उत्तर :

श्री महावीर शिक्षण संस्थान स्कूल, दिल्ली

सूचना

दिनांक : 28 अक्टूबर, 2018

विषय– नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन।

लायंस क्लब के सहयोग से दिनांक 2 नवम्बर, 2018 को विद्यालय में चिकित्सा शिविर लगाया जाएगा। इसमें वरदान नेत्र चिकित्सालय के चिकित्सक आँखों का परीक्षण करेंगे और आँखों को स्वस्थ रखने हेतु आवश्यक जानकारी देंगे। छात्र–छात्राएँ कमरा नं. 17 में सुबह 8:00 बजे से पर्चा बनवाकर आँखों का निःशुल्क परीक्षण करा सकते हैं।

हस्ताक्षर

कार्तिक शर्मा

प्रधानाचार्य

अथवा

आप एन. के. विद्यालय के प्रधानाचार्य हैं। दिल्ली में लगे ट्रेड फेयर देखने के इच्छुक छात्रों को वहाँ ले जाने की सूचना 40–50 शब्दों में जारी करें।

उत्तर :

एन. के. विद्यालय, मथुरा

सूचना

दिनांक : 16 नवम्बर, 2018

विषय : दिल्ली व्यावसायिक प्रदर्शनी देखने जाने के संदर्भ में।

दिल्ली में आयोजित व्यावसायिक प्रदर्शनी (ट्रेड फेयर) देखने के लिए विद्यालय की ओर से एक ट्यूर 12 नवम्बर को प्रातः 6:00 बजे बस से दिल्ली रवाना होगा। ट्यूर में आने हेतु कक्षा IX एवं X के छात्र अपने कक्षा अध्यापक से संपर्क करें।

हस्ताक्षर

(करण सैनी)

प्रधानाचार्य

15. लगातार बढ़ती महँगाई पर दो मित्रों के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

वैभव : हैलो अमर! क्या–क्या खरीद लिया?

अमर : अरे! वैभव तुम, कुछ नहीं सब्जियाँ खरीद रहा हूँ। यहाँ तो हालत ही खराब है। पिछले सप्ताह के मुकाबले टमाटर, प्याज, मटर, गोभी सबके सब दोगुने महँगे हैं।

वैभव : हाँ, अभी तीन दिन पहले ही तो डीजल, पैट्रोल के दाम बढ़े हैं इसलिए सब कुछ महँगा हो गया है।

अमर : मगर डीजल, पैट्रोल के दाम बढ़ने से सब्जी महँगी होने का क्या वास्ता?

वैभव : वास्ता कैसे नहीं मित्र, सब्जियाँ दूर दराज के गाँवों और दूसरे शहरों से ट्रक ट्रैक्टर आदि से आती हैं। डीजल महँगा होगा तो यातायात महँगा होगा। इससे सभी सामान महँगे होंगे न!

अमर : हाँ तुम ठीक कह रहे हो मित्र।

अथवा

विकास के मॉडल हाईवे, मॉल, मल्टीप्लेक्स विषय पर शिक्षक और छात्र के बीच संवाद 50–60 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

शिक्षक : (छात्र से) आज शहरों में हाईवे, मॉल, मल्टीप्लेक्स आदि विकास के मॉडल हैं। इसका क्या कारण हो सकता है?

छात्र : महोदय, मैं समझता हूँ इनसे देश के विकास को गति मिलती है। जहां एक ओर हाईवे के कारण यातायात और परिवहन आसान हो जाता है, वहीं मॉल और मल्टीप्लेक्स विभिन्न प्रकार की वाणिज्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं।

शिक्षक : क्या इनके निर्माण से रोजगार सृजन में भी मदद मिलती है।

छात्र : जी, इन सब निर्माण कार्यों में पूंजी के साथ–साथ श्रम का भी निवेश होता है। अतः हर तरह के रोजगार का सृजन होता है।

शिक्षक : शाबाश! तुम्हारा दृष्टिकोण बिल्कुल सही है।

16. सरकार की निःशुल्क शिक्षा योजना के लिए 25–50 शब्दों का विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

सरकार की प्रधानमंत्री कंप्यूटर शिक्षा योजना के
अंतर्गत निःशुल्क कंप्यूटर कोर्स करें

**कोर्स : डी.टी.पी., टैली,
डिजाइनिंग, नेट आदि**

आज ही अपना नाम पंजीकृत कराएँ और योजना का लाभ उठाएँ

योग्यता : हाईस्कूल पास अंतिम तिथि : 20 अक्टूबर 2019

संपर्क करें:
श्री विवेकानन्द शिक्षा संस्थान
मेन रोड, चोपडा बाजार, बीकानेर
फ़ोन–09413028511

अथवा

पुस्तक विक्रेता के लिए आकर्षक विज्ञापन 25–50 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर :

*ज्ञान का दीप जलाने वाली
नया पाठ पढाने वाली
हर कीमत में उपलब्ध
इसके लिए कम हैं शब्द*

इण्डिया बुक शॉप

सभी प्रकार की परिक्षाओं की पुस्तकें उपलब्ध

बस स्टैण्ड, मैन बाजार, अलवर

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online

WWW.CBSE.ONLINE

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and paper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.